

Hindi Murli Quiz 18-08-2015

Q.1) Match the following

| | Choice | | Match |
|---|--|---|---|
| A | इस शरीर में जो आत्मा है, उनको परमपिता परमात्मा बैठ पढ़ाते हैं। | 1 | अभी तुम समझते हो नष्टोमोहा होना है, सारी दुनिया से। |
| B | यह अविनाशी आत्मा को अविनाशी बाप द्वारा अविनाशी मत मिलती है। | 2 | वह विनाशी शरीरधारियों को विनाशी शरीरधारियों की ही मत मिलती है। |
| C | जहाँ सब आत्मयें आती हैं, वह हमारा घर है। | 3 | कितनी समझने की बातें हैं। परन्तु फिर भी धन्धे आदि में जाने से भूल जाते हैं। |
| D | कितना मोह रहता है शरीर में। | 4 | वहाँ शरीर ही नहीं तो आवाज़ कैसे हो। |
| E | लोन अथवा किराये पर मकान लेते हैं तो उसमें भी मोह रहता है। | 5 | बाप तो इस शरीर में होते भी देही-अभिमानि है। |

Q.2) सच्चा तपस्वी वह है जो सदा _____ की पोजीशन में रहता है।

- A. ☐ आत्मिक स्थिति
B. ☐ सर्वस्व त्यागी
C. ☐ फ़रिश्ता स्वरूप
D. ☐ विश्व कल्याण

Q.3) Match the following

| | Choice | | Match |
|---|--|---|---|
| A | स्वयं को जो हैं जैसे हैं-वैसे ही बाप के आगे प्रत्यक्ष करना | 1 | पुरुषार्थ का मार्ग स्पष्ट बनाना। |
| B | बुद्धि पर जो अनेक प्रकार के बोझ हैं | 2 | यही सबसे बड़े से बड़ा चढ़ती कला का साधन है। |
| C | ऑनैस्ट बन स्वयं को बाप के आगे स्पष्ट करना अर्थात् | 3 | बाप वा निमित्त बनी हुई आत्माओं के आगे कोई बात रखते हो-तो यह ऑनैस्टी नहीं। |
| D | कभी भी चतुराई से मनमत और परमत के प्लैन बनाकर | 4 | वैसे बच्चे बाप के आगे प्रत्यक्ष हों। |
| E | ऑनैस्टी अर्थात् जैसे बाप जो है जैसा है बच्चों के आगे प्रत्यक्ष है, | 5 | उन्हें समाप्त करने की यही सहज युक्ति है। |

Q.4) सवेरे-सवेरे उठ यही चिंतन करो कि

- A. ☐ मैं इतनी छोटी-सी आत्मा कितने बड़े शरीर को चला रही हूँ, मुझ आत्मा में अविनाशी पार्ट नूँधा हुआ है।
B. ☐ बाबा कितना मीठा है। आत्माओं को भी बहुत मीठा बनाते हैं। आत्मा कोई भी अकर्तव्य कार्य न करे - यह प्रैक्टिस करनी है।
C. ☐ यह नया ज्ञान है, कितनी बुद्धि चाहिए इसको ग्रहण करने की। और एक्ट में आना चाहिए।
D. ☐ नष्टोमोहा होना है, सारी दुनिया से। यह शरीर तो खत्म होना है। तो उनसे मोह निकल जाना चाहिए ना।

Q.5) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

- A. ☐ यह नया ज्ञान है, कितनी बुद्धि चाहिए इसको ग्रहण करने की। और एक्ट में आना चाहिए। जिन्होंने ने शुरू से बहुत भक्ति की होगी वही अच्छी रीति धारण कर सकेंगे। यह समझना चाहिए-अगर हमारी बुद्धि में ठीक रीति धारणा नहीं होती है, तो जरूर शुरू से हमने भक्ति नहीं की है।
B. ☐ सतयुग में तो तुम यहाँ की प्रालम्ब पाते हो। वहाँ कभी उल्टी मत मिलती ही नहीं। अभी की श्रीमत ही अविनाशी बन जाती है, जो आधाकल्प चलती है।
C. ☐ बाबा कहते रहते हैं तुम कौड़ियों पिछाड़ी क्यों हैरान होते हो। कौड़ियां भी जास्ती थोड़ेही चाहिए। गरीब झट समझ जाते हैं।
D. ☐ तुम भी ज्ञान सागर से निकली हो फिर सब वहाँ चली जायेंगी, जहाँ वह रहते हैं, वहाँ तुम आत्मयें भी रहती हो।
E. ☐ कोई बड़ा आदमी होगा तो उनको यहाँ बैठने की दिल नहीं होगी। जहाँ बड़े-बड़े आदमी सन्यासी गुरू आदि लोग होंगे वहाँ की बड़ी-बड़ी सभाओं में जायेंगे।

Q.6) यहाँ तो देखो पैसे के पीछे कितनी मारामारी है। रिश्तत कितनी मिलती है। पैसे तो मनुष्यों को चाहिए ना। तुम बच्चे जानते हो बाबा हमारा खजाना भरपूर कर देते हैं। आधाकल्प के लिए जितना चाहिए उतना धन लो, परन्तु पुरुषार्थ पूरा करो। गफलत नहीं करो। कहा जाता है ना फालो फादर। फादर को फालो करो तो यह जाकर बनेंगे। नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी, बड़ा भारी इम्तहान है। इसमें जरा भी गफलत नहीं करनी चाहिए। बाप श्रीमत देते हैं तो फिर उस पर चलना है। कायदे कानून का उल्लंघन नहीं करना है। श्रीमत से ही तुम श्री बनते हो। मंजिल बहुत बड़ी है। अपना रोज़ का खाता रखो। कमाई की या नुकसान किया? बाप को कितना याद किया? कितने को रास्ता बताया? अन्धों की लाठी तुम हो ना। तुमको ज्ञान का तीसरा नेत्र मिलता है।

- A. ☐ False
B. ☐ True

Q.7)

इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -

- A. ☐ बहुत भक्ति करने वालों के पिछाड़ी, कम भक्ति करने वाले लटकते रहते। उनकी महिमा गाते हैं।
- B. ☐ नई दुनिया की स्थापना और पुरानी दुनिया का विनाश - यह तो ब्रह्मा का ही काम है। बाप ही आकर ब्रह्मा द्वारा प्रजा रच नई दुनिया की स्थापना कर रहे हैं।
- C. ☐ चेक करना है कि मेरे से कोई अकर्तव्य तो नहीं होता है? शिवबाबा भी अकर्तव्य कार्य करेंगे।
- D. ☐ आत्मा की महिमा है, शरीर की महिमा नहीं होती है। आत्मा तमोप्रधान है तो शरीर की भी महिमा नहीं।
- E. ☐ बाप कहते हैं कुछ भी नहीं समझते हो तो बाप से पूछो क्योंकि बाप है अविनाशी सर्जन।